प्रारूप II

पी0 एस0 पी0 जॉच सूची–2019–20

शोध ग्रन्थ शीर्षक का नाम...

....

शोधार्थी का नाम...

विभाग / विषय..

शोध छात्र / छात्रा के निदशक का नाम व विभाग..

....

अधिष्ठाता का नाम जिसको ड्राफ्ट थीसिस जॉच वास्ते दी गयी व दिनांक.......................................

थीसिस का उपरोक्त जॉच वास्ते निदेषक (षोध केन्द्र) को देने का दिनांक......................................

....

क्र0सं0	रिपोर्ट
1	क्या थीसिस में छात्र / छात्रा का घोषणापत्र एवं पर्यवेक्षक का प्रमाण–पत्र सही हैं ? **(हॉ) या (नही)**
2	क्या थीसिस शीर्षक शोधार्थी द्वारा किए गये कार्य का सही निरूपण हैं ? **(हॉ) या (नही)**
3	क्या थीसिस में कुल पृष्ठ संख्या लगभग 200 पेज का हैं ? **(हॉ) या (नही)**
4	मौलिक खोज–वीन प्रकार की शोध ग्रन्थों जैसे षिक्षा, प्रबन्धन, विज्ञान, वाणिज्य, समाजषास्त्र, समाजकार्य, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, विधि, पत्रकारिता व जनसंचार आदि में प्रथम अध्याय ***प्रस्तावना*** पूरे ग्रन्थ का लगभग 10 फीसदी पृष्ठों का है। द्वितीय अध्याय ***पूर्व प्रकाशित अनुसंधानों का सर्वेक्षण*** पूरे शोध ग्रन्थ का लगभग 25 फीसदी हैं। मौलिक ***आकड़ा संग्रहण*** एवं उनका तालिका बद्ध प्रस्तुतीकरण वाला तृतीय अध्याय पूरे शोध ग्रन्थ के लगभग 25 फीसदी पृष्ठों का है। ***शोध विधियों का चुनाव, उपयोग,*** तथा आकड़ा विष्लेषण व परिणाम का ग्राफीय प्रस्तुतीकरण वाला चतुर्थ अध्याय कुल शोध ग्रन्थ का लगभग 25 फीसदी पृष्ठों का है। प्राप्त ***परिणामों व उनकी व्याख्या*** वाला तथा शोध से प्राप्त सामाजिक उपादेयता वाला पॉचवां अध्याय कुल शोध ग्रन्थ के लगभग 20 फीसदी पृष्ठों का है। अंत में ***शोध ग्रन्थ सूची*** **तथा** ***सहायक ग्रन्थ सूची*** वाला छठवॉ अध्याय कुल शोध ग्रन्थ के लगभग 5 फीसदी पृष्ठों का है। उपरोक्त के अलावां यदि शोध ग्रन्थ किसी भाषा, अभिनयात्मक कला, राजनीति, दर्षन, इतिहास, भूगोल, आदि प्रकार के विषयों पर है तो शोध ग्रन्थ के अध्याय 3, 4, 5 तदर्थ उचित

	अनुपात में प्रस्तुत किये गये है? **(हॉ) या (नही)**
5	शोध ग्रन्थ का अध्याय प्रथम प्रस्तावना में शोधार्थी ने परास्नात्क स्तर पर पठित सम्बन्धित विषय से शूरू करके तदर्थ आजतक के शोधों का अपने वस्तु क्षेत्र में चिन्हित व सारांषित करते हुए प्रस्तुत समस्या को चिन्हित करने का प्रयत्न किया है और साथ ही शोधार्थी ने इस शोध विषय चुनाव की पूरी ब्याख्या की हैं। साथ ही काम शूरू करते वक्त अपेक्षित फल, शोध का सामाजिक उपादेयता की अपनी जिज्ञासा की भी ब्याख्या की है ? **(हॉ) या (नही)**
6	शोध ग्रन्थ के द्वितीय अध्याय में शोधार्थी अपने शोध से सम्बन्धित अब तक के सारे शोधों का तिथिवार क्रमबद्ध विहगंम अवलोकन प्रस्तुत किया है जिसमें चुनी हुई समस्या पूर्णरूपेण स्थापित हुई हैं और तदर्थ तटस्थ संकल्पनाओं का श्रृजन किया हैं जिसकी सम्यक विवेचना इस शोध ग्रन्थ में अपेक्षित है ? **(हॉ) या (नही)**
7	उपरोक्त समस्या के हल हेतु मानक विधियॉ व औजारों का, आकड़ा संग्रहण व भण्डारण तथा विष्लेषण एवं प्राप्त फलों की विवेचना किया हैं ? **(लागू नहीं) या (हॉ) या (नहीं)**
8	ग्रूढ विवेचनात्मक विषयों की विवेचना (उदाहरणार्थ षिक्षा, पत्रकारिता व जनसंचार/जे0एम0सी0 समाजषास्त्र व समाजकार्य, वाणिज्य, अर्थषास्त्र, सामाजिक विज्ञान, प्रबन्धन, विभिन्न विज्ञान, (भौतिकी, रसायनषास्त्र, गणित) जैविक विज्ञान (जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान) संगड़क अनुप्रयोग) आदि में उचित आकड़ा संग्रहण व इसकी विष्लेषण तालिकाएँ, फलन आदि को उचित हिस्टोग्राम, ग्राफों में जैसे सनयोजित आवृत्त आरेख आदि से प्रस्तुत किया है ? **(लागू नहीं) या (हॉ) या (नहीं)**
9	शोध छात्र की रचनात्मक क्षमता दिग्दर्षन हेतु सारे ही हल तदर्थ पूरी व्याख्या के साथ दिख रहे है जिससे शोधार्थी की रचनाकारिता स्वयं सिद्ध है? **(लागू नहीं) या (हॉ) या (नहीं)**
10	आज अपने मानित विष्वविद्यालय के सभी शोध निर्देषकों को विदेषी ***उरकुण्ड साहित्यिक चोरी जॉच प्रणाली*** का उपभोक्ता बनाया जा चुका है। शोधार्थी ने अपने शोध ग्रन्थ निर्देषक के उपरोक्त खाते को प्रयोग करके या किसी अन्य साहित्यिक चोरी जॉच प्रणाली का उपयोग करके अपने शोध ग्रन्थ को साहित्यिक चोरी मुक्त कर लिया है? **(हॉ) या (नही)**
11	शोध ग्रन्थ में यदि किसी संसाधन का तीन वाक्यों या एक पैराग्राफ में जो भी कम हो, का अगर उसे हूबहू नकल उतारी गयी है तो उस अंष को मुख्य गद्य की बाई हाषिएँ से थोड़ा दाहिने किया गया है व उसे इटैलिक फान्ट में मुद्रित किया गया है और उसका सन्दर्भ ठीक उसी पृष्ठ पर नीचे एक रेखा खींचने के बाद तुरन्त दिया गया है? **(हॉ) या (नही)**
12	उपरोक्त पैरा के संदर्भ में शोध ग्रन्थ का पूरा विवरण– पुस्तक या शोध प्रपत्र या सम्मेलन आख्या या किसी सरकारी या कार्पोरेट या कोई अन्य इकाई की प्रतिवेदन/वार्षिक प्रतिवेदन या कोई इण्टरनेट वेबसाइट आदि को चरण सूचना (फूट नोट) में विवरित किया गया है? **(हॉ) या (नही)**

13	शोध ग्रन्थ मे सन्दर्भ ग्रन्थ व सहायक सम्बन्ध ग्रन्थ में उल्लिखित सभी पुस्तकों का विवरण–शीर्षक, लेखकगण, संस्करण व प्रकाषन वर्ष, प्रकाषक का नाम व उसके शहर का नाम, अध्याय संख्या आदि सहित सम्पूर्ण है? **(हॉ) या (नही)**
14	शोध ग्रन्थ में सन्दर्भ ग्रन्थ व सहायक सम्बन्ध ग्रन्थ में उल्लिखित सभी शोध प्रपत्रों का विवरण–शीर्षक, लेखकगण, शोध ग्रन्थ का नाम, प्रकाषक का नाम, प्रकाषन का खण्ड ईषू तथा वर्ष, प्रकाषन पृष्ठों को संख्या आदि सहित सम्पूर्ण है? **(हॉ) या (नही)**
15	शोध ग्रन्थ में सन्दर्भ ग्रन्थ व सहायक सम्बन्ध ग्रन्थ में उल्लिखित सम्मेलन विवरिकाऍ–शोध प्रपत्र का शीर्षक, उसके लेखकगण, सम्मेलन व उसके शहर का ***नाम,*** सभी उसकी तिथियों तथा ***वर्ष, समुचित पृष्ठ संख्याऍ, तदर्थ इण्टरनेट वेबसाइट का पता व अंतिम दर्शन*** की अद्यतन तिथि आदि से सम्पूर्ण है? **(हॉ) या (नही)**
16	कोई सूचना ग्रन्थ रिपोर्ट का भी सन्दर्भ–षीर्षक, प्रकाषक मय नम्बर वर्ष तत्संगति पृष्ठ संख्याऍ आदि को भी प्रकाषित किया गया है ? **(हॉ) या (नही)** शोध ग्रन्थ–षीर्षक से सम्बन्धित किसी भी बेबसाइट का पूरा यू0आर0एल0 (वेब लिंक) पता मय अन्तिम दर्षन तिथि भी उद्घृत है ?
17	शोध सांख्यिकीय विषय में उपलब्ध अनेक औजार (मध्यमान, मानक, विचलन, टी जॉच, x^2 जॉच, एफ टेस्ट, अनोवॉ, पोस्ट हॉक अनोवॉ, सह सम्बन्ध, रिग्रेषन टेस्ट जॉच आदि) में से उचित औजार चिन्हित करना व उपयोग करना पूर्णतः स्पष्ट है व इनको उपयोग करके प्राप्त परिणामों की विवेचना भी की गयी है ? **(लागू नहीं) या (हॉ) या (नहीं)**
18	शोध ग्रन्थ में निर्मित सारी संकल्पनाऍ तटस्थ है ? **(लागू नहीं) या (हॉ) या (नहीं)**
19	जहा भी कोई तटस्थ संकल्पना मंजूर नही हुई, अगली संकल्पनाऍ और अधिक उपयोगी औजारों के उपयोग से गूढ निरीक्षित की गयी है, उदाहरणार्थ यदि कर्मचारियों का वेतन अर्हता बढने से बढता है तो पोस्ट हॉक अनोवॉ से यह पता किया गया है कि यह बढ़ोत्तरी किस स्तर पर सबसे अधिक हैं–स्नातक से परास्नातक पर या परास्नातक से डाक्टरेट उपाधि पाने पर ? **(लागू नहीं) या (हॉ) या (नहीं)**
20	पूरे शोध ग्रन्थ में लक्षित आईडिया/सोच सभी अध्यायों को पिरोकर एक माला बनाती है। सोच का यह प्रवाह कही भी खण्डित नही दिखता है एवं न ही कही पर अनावष्यक पहलुओं की विवेचना जुडी हुई दिखती है। इस प्रकार पूरा शोध ग्रन्थ एकसार है व उसे कहीं भी खण्डित रुप में नही दिखता है ? **(हॉ) या (नही)**
21	शोध ग्रन्थ की वस्तु, उसे प्रस्तुत करने की भाषा शैली आज के शोधार्थियों एवं गुरूओं के स्तर की है–न को सम्बन्धित विषय के स्नातक या परास्नातक विद्यार्थियों के स्तर की है ? **(हॉ) या (नही)**

22	शोध ग्रन्थ में कोई भी व्याकरणीय त्रुटि नही है ? **(हॉ) या (नही)**
23	शोध ग्रन्थ में कोई भी अनर्थता वाली त्रुटि नही है व शोध ग्रन्थ में सभी जगह पर्यायवाची शब्दों में भी अति उपयुक्त लगने वाले शब्दों का प्रयोग हुआ है जो उचित अर्थ देते है और आपस में उचित ढंग से पिरोये हुए है ? **(हॉ) या (नही)**
24	प्रस्तुत शोध ग्रन्थ के जरिए शोधार्थी नें अब तक के प्रकाषित ज्ञान स्तर को आगे बढाया है व सम्बन्धित विषयों में एक अनोखा योगदान किया है जो एक नवयुग शोधार्थी के भाव व्यक्त करने की छमता दर्षाता है ? **(हॉ) या (नही)**
25	उपरोक्त के आधार पर प्रस्तुत शोध ग्रन्थ का पी0एस0पी0 आयोजन वास्ते निम्मलिखित अनुमोदन किया जाता है– **(क)** पी0एस0पी0 आयोजन न किया जाय। उपरोक्त कमियों को शोधार्थी खुद खत्म करें व संषोधित शोध ग्रन्थ पुनः निदेषक (आई0क्यू0ए0सी0) को जमा करें। ***या*** **(ख)** शोध ग्रन्थ में विष्तृत संषोधन किये जाये ताकि उपरोक्त सभी पैराग्राफों का उत्तर हॉ हो जाये जिसे निदेषक शोध केन्द्र या सम्बन्धित अधिष्ठाता अनुमोदित करें और तब ऐसा संषोधित शोध ग्रन्थ मिलने पर ही पी0एस0पी0 आयोजित की जाये। ***या*** **(ग)** शोध ग्रन्थ में उपरोक्त त्रुटियॉ शोधार्थी खत्म करलें जिसे शोध निदेषक सत्यापित करें और इस आधार पर पी0एस0पी0 आयोजित की जावे। ***या*** **(घ)** प्रस्तुत शोध ग्रन्थ पी0एस0पी0 आयोजन के लिए योग्य है व पी0एस0पी0 सीधे ही आयोजित की जावे।

प्रो0 आर0 सी0 त्रिपाठी
निदेशक
(आन्तरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ)

दिनांकः ....

(डॉ0 आर0 पी0 ओझा)
निदेशक–शोध केन्द्र
शोध ग्रन्थ, निर्देशक